लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश, भोपाल

नेशनल एचीवमेंट सर्वे (NAS) 2021 की तैयारी हेतु

टीचर्स हैण्डबुक

कक्षा – दसवीं

विषय – सामाजिक विज्ञान

NAS परिचय

NAS विद्यालयों में सीखने के आंकलन के लिए राष्ट्र स्तर पर विकसित एक राष्ट्र व्यापी सर्वेक्षण कार्यक्रम है। इसके तहत कक्षा 3, 5, 8 व 10 के विद्यार्थियों के सीखने के स्तर एवं शैक्षणिक उपलब्धि का मूल्यांकन करने हेतु प्रत्येक 03 वर्ष के अंतराल पर सर्वे आयोजित किया जाता है।

पूर्व में यह सर्वे 2017 में आयोजित किया गया था । इस वर्ष NAS सर्वे **12 नवम्बर 2021** को आयोजित होना है। यह सर्वे **हिन्दी, अंग्रेजी,गणित, विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान विषयों में किया जाएगा।** NCERT द्वारा सभी विषयों के लर्निंग आउटकम्स जारी किए गए हैं। इन्हीं लर्निंग आउटकम्स पर यह टेस्ट आधारित होगा।

NAS के उद्देश्य :

NAS के अंतर्गत देश/प्रदेशों के शासकीय और शासकीय सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में पढ़ रहे विद्यार्थियों के सीखने की उपलब्धियों का आंकलन किया जाता है। इसके आधार पर भविष्य में विद्यालयों और शिक्षकों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शैक्षणिक नीतियां और कार्यक्रम तैयार करते हुए विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार लाने हेतु निम्नानुसार प्रयास किये जा सकेंगे–

1. विद्यार्थियों के सीखने के अधिगमों की प्राप्ति हेतु
2. विद्यार्थियों के लर्निंग गैप की पहचान करने हेतु
3. शिक्षकों के प्रोफेशनल डेवेलपमेंट हेतु
4. गुणवत्ता शिक्षा के लिए कार्यक्रम तैयार करने हेतु
5. कक्षा शिक्षण में सहायता करने हेतु

To provide structured feedback on student learning levels at District, State, and national levels. These inputs are used for policy planning and designing pedagogical interventions to improve quality and ensure equity in learning.

विगत सर्वे में प्रदेश की स्थिति :

पिछले सर्वे में मध्यप्रदेश की स्थिति आशा अनुरुप नहीं रही । केवल हिन्दी विषय में ही प्रदेश का प्रदर्शन संतोषजनक था । अन्य विषयों में प्रदेश के विद्यार्थियों का औसत राष्ट्रीय औसत से कम था इससे पता चलता है कि प्रदेश के विद्यार्थियों में विषयवार अवधारणाओं की

समझ विकसित नहीं हो पायी है। इससे यह भी पता चलता है कि विद्यार्थी सीखी हुई अवधारणाओं का उपयोग अपने दैनिक जीवन की समस्याओं को हल करने में नहीं कर पा रहे हैं।

सामाजिक विज्ञान में विद्यार्थियों के स्कोर का प्रदेश का औसत 36.2 था जबकि राष्ट्रीय औसत 39.3 था जो निम्नानुसार है।

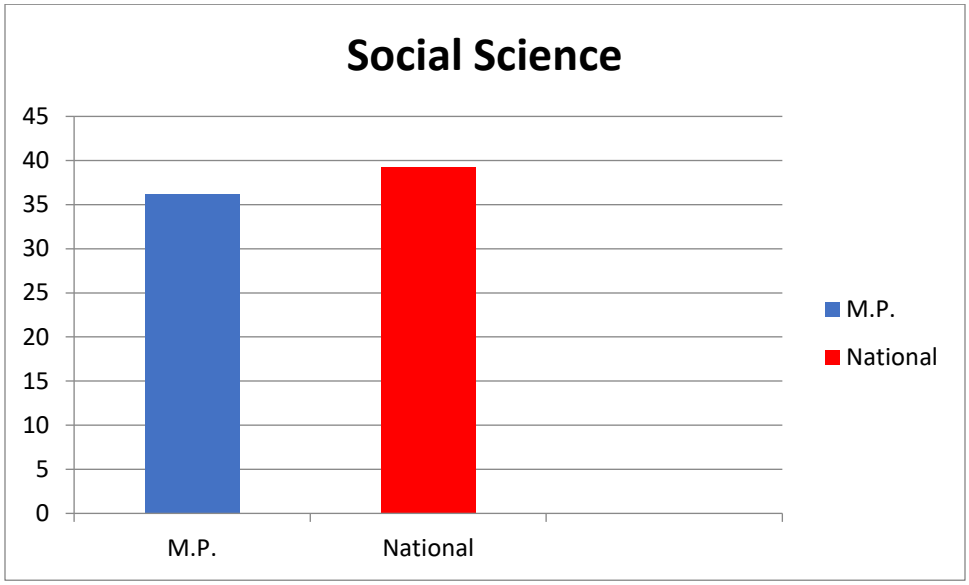

अतः यह जरूरी है कि विद्यार्थियों में निर्धारित लर्निंग कॉम्पेटेन्सी (दक्षताओं) के अनुसार विषयवार अवधाराणाओं की सही समझ विकसित की जाए।

इसके लिए जरूरी है कि विद्यार्थियों को इस वर्ष के सर्वे के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जाए।

NAS परीक्षा 2021 की तैयारी हेतु प्रैक्टिस टेस्ट की रूपरेखा :

NAS परीक्षा के आयोजन के पूर्व विद्यार्थियों को NAS परीक्षा के पैटर्न से अवगत कराने हेतु तीन प्रैक्टिस टेस्ट आयोजित कराए जाने के निर्देश दिए गए थे। अभी तक एक प्रेक्टिस टेस्ट दिनांक 11 से 16 सितंबर के मध्य आपके द्वारा करवाया गया होगा। प्रथम टेस्ट में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका थी। आशा है आपके द्वारा संचालनालय के पत्र दिनांक 7.9.2021 अनुसार कार्यवाही की गई होगी। आगामी कार्यक्रम निम्नानुसार है :

आगामी प्रैक्टिस टेस्ट का विवरण :

प्रैक्टिस टेस्ट	टेस्ट की तिथि	प्रत्येक विषय के प्रैक्टिस टेस्ट पेपर में प्रश्नों की संख्या
प्रैक्टिस टेस्ट द्वितीय	07.10.2021 से 12.10.2021	70
प्रैक्टिस टेस्ट तृतीय	28.10.2021 से 30.10.2021 एवं 8 एवं 9 नवंबर	70

प्रैक्टिस टेस्ट की समय–सारणी :

द्वितीय प्रैक्टिस टेस्ट दिनांक	तृतीय प्रैक्टिस टेस्ट दिनांक	विषय
07-10-2021	28-10-2021	अंग्रेजी
08-10-2021	29-10-2021	गणित
09-10-2021	30-10-2021	विज्ञान
11-10-2021	8-11-2021	हिन्दी
12-10-2021	9-11-2021	सामाजिक विज्ञान

दूसरा प्रैक्टिस टेस्ट और तीसरा प्रैक्टिस टेस्ट पेपर विवरण :

1. NAS हेतु दूसरा और तीसरा प्रैक्टिस टेस्ट पेपर विद्यार्थियों से हल कराया जाएगा ।
2. दोनों प्रैक्टिस टेस्ट के मुद्रित टेस्ट पेपर विद्यालयों को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रदाय कराए जाएंगे।
3. विद्यार्थियों के दूसरे और तीसरे प्रैक्टिस टेस्ट पेपर का समय प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक उपरोक्त निर्धारित दिनांकों को समय सारणी अनुसार आयोजित किए जाएंगे।
4. दूसरे और तीसरे प्रैक्टिस टेस्ट पेपर के निर्धारित दिनांकों में कराने के पश्चात दोपहर 1:00 बजे से 4:00 बजे तक संबंधित विषय शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को सही उत्तर बताते हुए उत्तरों की जाँच कराई जाएगी और सही हल करने की विधि समझाई जाऐगी।
5. सभी विषयों के प्रैक्टिस टेस्ट पेपर में सभी विद्यार्थी सम्मिलित होंगे।
6. शिक्षक और प्राचार्य सुनिश्चित करें कि सभी विद्यार्थी प्रैक्टिस टेस्ट में उपस्थित रहें।
7. प्रैक्टिस टेस्ट पेपर में सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) होंगे।

8. प्रश्न पत्र में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रश्न पत्र में ही सही विकल्प पर √ (सही) चिन्ह लगाकर दिये जाएंगे।

नेशनल अचीवमेंट सर्वे –2021 का स्वरूप

- NAS के प्रत्येक विषय के प्रश्न पत्र में 35 प्रश्न पूछे जाएंगे। जो विगत 2017 के टेस्ट पेपर से लिए जाएंगे।
- पूर्व में प्रेषित प्रथम प्रैक्टिस टेस्ट पेपर और उसके उत्तर (आन्सर की) दिये गये हैं जो NAS 2017 के प्रश्नपत्रों पर आधारित था।
- ऐसी संभावना है कि NAS 2017 के प्रश्न पत्र से NAS 2021 के टेस्ट पेपर्स में प्रति विषय 07 प्रश्न दिए जा सकते हैं।
- प्रैक्टिस टेस्ट में से प्रति विषय 02 प्रश्न डिजीलेप के माध्यम से भी प्रति दिवस विद्यार्थियों को अभ्यास हेतु अलग से उपलब्ध कराए जाएंगे।
- लर्निंग आउटकम्स पर विद्यार्थियों का असेसमेंट किया जाएगा।

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

SST1001. तथ्यों और आंकड़ों को पहचानता है और उन्हें पुनः प्राप्त करता है, और प्रक्रियाओं का वर्णन करता है।

SST1002. घटनाओं, तथ्यों और आंकड़ों को वर्गीकृत और तुलना करता है।

SST1003. घटनाओं, और उनके बीच कारण और प्रभाव बताता है।

SST1004. जनकारी का विश्लेषण और मूल्यांकन करता है।

SST1005. व्याख्या

SST1006. समाजिक विज्ञान के भीतर अंतरसंबंध बताता है।

SST1007. विभिन्न पहलुओं के बारे में मान्यताओं, पूर्वाग्रहों या रूढ़ियों की पहचान करता है।

SST1008. जिज्ञासुता, पूछताछ को दर्शाता है।

SST1009. दिए गए या एकत्र सूचना के आधार पर तक, सूझाव और विचारों का निर्माण करता है।

SST10010. घटना, घटना के कारण और उनकी भविष्यवाणी करता है।

SST10011. निर्णय लेने, समस्या समाधान के कौशल को दर्शाता है।

SST10012. संवेदनशीलता और प्रशंसा कौशल को दिखाता है।

Class 10- Social Science

SST1001 Recognizes and retrieves facts, figures, and narrate processes.
SST1002 Classifies and compares events, facts, data, and figures.
SST1003 Explains cause and effect relationship between phenomena, events, and their occurrence.
SST1004 Analyses and evaluates information.
SST1005 Interprets.

SST1006 Draws interlinkages within Social Science.
SST1007 Identifies assumptions, biases, prejudices, or stereotypes about various aspects.
SST1008 Demonstrates inquisitiveness, enquiry.
SST1009 Constructs views, arguments, and ideas on the basis of collected or given information.
SST1010 Extrapolates and predicts events and phenomena.
SST1011 Illustrates decision making/problem solving skills.
SST1012 Shows sensitivity and appreciation skills.

विषय /क्षेत्र	कक्षा 10 के लर्निंग आउटकम्स
हिन्दी	1
गणित	12
विज्ञान	10
समाजिक विज्ञान	12
अंग्रेजी	1
कुल	36

NAS सामाजिक विज्ञान के विषय क्षेत्र (डोमेन)

विषय क्षेत्र एवं विषय–वस्तु

इतिहास

1. घटनाक्रम एवं प्रक्रियाएं
2. अर्थव्यवस्था एवं आजीविका
3. संस्कृति, समाज और पहचान

भूगोल

1. संसाधन और उनके प्रकार
2. प्राकृतिक संसाधन
3. वन और वन्य जीव संसाधन
4. कृषि
5. जल संसाधन
6. खनिज संसाधन
7. शक्ति संसाधन
8. विनर्माण उद्योग

9. परिवहन संचार और व्यापार

राजनीति विज्ञान

1. एक समकालीन दुनिया में लोकतंत्र
2. भारत में लोकतंत्र की डिजाइनिंग
3. लोकतंत्र में चुनावी राजनीति
4. संसदीय लोकतंत्र की संस्थाएं
5. लोकतंत्र में नागरिकों के अधिकार
6. लोकतंत्र के कार्य
7. लोकतंत्र में सत्ता के बंटवारे का तंत्र
8. प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धाएं
9. चुनौतियॉ और परिणाम

अर्थशास्त्र

1. विकास की कहानी
2. धन और वित्तीय प्रणाली
3. भारतीय अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की भूमिका
4. वैश्वीकरण

5- उपभोक्ता जागरूकता

STRAND (Cognitive Complexity)

1. आवश्यक साक्ष्य की पहचान करना और/या उसका उपयोग करना
2. निष्कर्ष निकालना या मूल्यांकन करना,
3. धारणाओं की समझ का प्रदर्शन करना ,
4. सतत विकास के पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक आयाम की समझ होना।

Social Science

SUB-DOMAIN

HISTORY

I. Events and Processes
II. Economies and Livelihoods
III. Culture, Identity and Society

GEOGRAPHY

1. Resources (and their types)
2. Natural resources
3. Forest and Wildlife resources
4. Agriculture
5. Water resources
6. Mineral resources
7. Power resources
8. Manufacturing industries
9. Transport, Communication and Trade

POLITICAL SCIENCE

1. Democracy in a contemporary world
2. Designing of Democracy in India
3. Electoral politics in Democracy
4. Institutions of Parliamentary Democracy
5. Citizens' rights in Democracy
6. Working of Democracy
7. Power sharing mechanisms in Democracy
8. Competition and Contestations
9 Outcomes and Challenges

ECONOMICS

1. The Story of Development
2. Money and Financial System
3. The Role of Service Sector in Indian Economy
4. Globalisation
5. Consumer Awareness

STRAND (Cognitive Complexity)

- Identifying and/or using the evidence needed Drawing or evaluating the conclusion - Demonstrating understanding of concepts
- Environmental, Economic and Social Dimensions of Sustainable Development- LEARNING OUTCOMES (NCERT)

प्रश्नपत्र का स्वरूप

सर्वे के प्रश्नपत्र 5 सेट में होंगें प्रत्येक सेट में 2 विषय होंगें। किसी भी विद्यार्थी को कोई भी सेट मिल सकता है। सेट किस तरह के होंगें यह नीचे दिया गया है। प्रत्येक सेट में प्रत्येक विषय में 7 एंकर प्रश्न होंगें। एंकर प्रश्न का तात्पर्य यह है कि विगत नेशनल अचीवमेंट सर्वे में जो टेस्ट पेपर दिया गया था उस टेस्ट पेपर में से **प्रत्येक विषय में 7 प्रश्न रिपीट** होंगें। प्रथम टेस्ट पेपेर आप सभी विद्यार्थियों को समझाया था। उसी प्रश्न पत्र में से प्रत्येक विषय में 7 प्रश्न आएंगें। अतः यह आवश्यक है कि पूर्व प्रश्नपत्र को विद्यार्थियों को ध्यान से समझाकर हल करवाया जाए। **एक सेट में दिए गए 70 प्रश्नों के उत्तर 120 मिनट यानी 2 घंटे में हल करना होगा ।**

दिनांक – 12 नवंबर 21

समय – 10.30 से 12.30

Class 10	Set 1			Set 2			Set 3		
	Area	New	Anchor	Area	New	Anchor	Area	New	Anchor
Sub 1	Lang- A -Hindi	28	7	Mat- B	28	7	Sci-A	28	7
Sub 2	Mat-A	28	7	Social-A	28	7	Eng-A	28	7
	Total	56	14	Total	56	14	Total	56	14
		70			70			70	

Class 10	Set 4			Set 5		
	Area	New	Anchor	Area	New	Anchor
Sub 1	Social- B	28	7	Lang- B Hindi	28	7
Sub2	Eng-B	28	7	Sci-B	28	7
	Total	56	14	Total	56	14
		70			70	

महत्वपूर्ण बिन्दु :

1. शिक्षक इस हैण्डबुक में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए अभ्यास टेस्ट कराएंगे। सभी प्रैक्टिस टेस्ट पेपर में वस्तुनिष्ठ प्रकार के ही प्रश्न होंगे ।
2. सभी प्रैक्टिस टेस्ट पेपर के प्रश्न में 04 विकल्प होंगे इनमें से सही उत्तर पर विद्यार्थी सही (✓) चिन्ह लगाकर उत्तर देगा।
3. NAS में पूछे जाने वाले प्रश्न उच्च स्तरीय क्षमताओं जैसे विश्लेषण, तार्किक चिंतन और सीखने के प्रतिफल जांचने की प्रकृति के होंगे।
4. सभी शिक्षक लर्निंग आउटकम्स के आधार पर विद्यार्थियों की तैयारी कराएं । विस्तृत लर्निंग आउटकम्स एवं मॉक टेस्ट हेतु प्रश्नपत्र संलग्न हैं। इन्हें अच्छी तरह से पढकर पढाए जाने वाले टॉपिक के साथ मेप करके पढाएं ।

सामाजिक विज्ञान सीखने के प्रतिफल

परिचय

सामाजिक विज्ञान का प्रक्षेत्र सामान्य शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाता है। माध्यमिक स्तर पर, सामाजिक विज्ञान में समाज के विविध सरोकार शामिल किए गए हैं और इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान के विषयों से तैयार की गई विस्तृत सामग्री शामिल हैं। विषय क्षेत्र की सामग्री में समय, स्थान और संस्थानों में प्राकृतिक और सामाजिक वातावरण के साथ मानव संबंधों की व्यापक समझ शामिल है। यह जानना आवश्यक है कि सामाजिक विज्ञान में स्वयं वैज्ञानिक जाँच के तरीकों को अपनाया जाता है, जो प्राकृतिक और भौतिक विज्ञान से अलग हैं। सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम में मानव मूल्यों की स्वतंत्रता, विश्वास और विविधता के लिए सम्मान को बढ़ावा दिया जाता है। सामाजिक विज्ञान की शिक्षा बच्चों के व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण पर असर डालने वाले सामाजिक मुद्दों पर गंभीर रूप से प्रतिक्रिया देने के अवसर प्रदान करती है। इन विषयों से अन्य मूल्यों, जैसे— सहानुभूति, समानता, स्वतंत्रता, न्याय, बंधुत्व, गरिमा और सद्भाव भी विकसित होते हैं। सामाजिक विज्ञान के प्रत्येक अनुशासन में कार्यक्रमों, प्रक्रियाओं और घटनाओं के कारण और प्रभाव के संबंध को समझने के लिए तार्किक और तर्कसंगत दृष्टिकोण को समझने, विश्लेषण, मूल्यांकन और लागू करने के माध्यम से निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए जाँच का अपना तरीका है।

सामाजिक विज्ञान में एक सक्षम पाठ्यचर्या के लिए, कुछ विषय जो अंतर-विषयक सोच को सुविधाजनक बनाते हैं, विषयों में शामिल किए गए हैं। इसके विषय क्या, कहाँ, कौन, कब, कैसे आदि जैसे प्रश्नों को उठाकर जाँच में पर्याप्त गुंजाइश प्रदान करते हैं, जिससे विद्यार्थियों को विषयों के बीच और साथ ही उनके अंदर एक एकीकृत परिप्रेक्ष्य प्राप्त करने में मदद मिलती है, जिससे अंतर-अनुशासनिक दृष्टिकोण मज़बूत होता है। एक उदाहरण लिया जा सकता है, कृषि, विकास, आपदा आदि जैसे विषयों का अध्ययन इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र और राजनीति शास्त्र के परिप्रेक्ष्य से किया जा सकता है।

सामाजिक विज्ञान विद्यार्थियों को देश की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत की सराहना करने के लिए संवेदनशील बनाता है। विद्यार्थी स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष में ज्ञात और कम ज्ञात व्यक्तियों और घटनाओं द्वारा किए गए योगदान का मूल्यांकन करने में गर्व का अनुभव करते हैं। ये विषय विद्यार्थियों को हमारे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और परिरक्षण पर ज़ोर देने और सामाजिक समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित चुनौतियों का सामना करने के साथ स्थायी विकास के महत्व को पहचानने में सहायता करते हैं। ये विषय आर्थिक विकास को प्राप्त करने के लिए संसाधनों के महत्व, उनके समान वितरण और उपयोग को समझने में सहायता करते हैं। ये स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक दृष्टिकोण से लोकतांत्रिक सिद्धांतों, नागरिकता, अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में

जागरूकता पैदा करते हैं। इसके अन्य फ़ोकस संघर्ष क्षेत्र के समाधान कौशलों का निर्माण और शांति निर्माण प्रक्रियाओं को मज़बूत करना हैं। ये जेंडर, हाशिए के वर्गों और विशेष ज़रूरतों वाले व्यक्ति के प्रति संवेदनशीलता और सहानुभूति को बढ़ावा देने में मदद करते हैं, जैसे— आदिवासी, अनु. जाति और अनु. जनजाति।

पाठ्यक्रम से अपेक्षाएँ

इस चरण पर विद्यार्थियों से इनके विकास की अपेक्षा की जाती है कि वे —

- प्राकृतिक और सामाजिक वातावरण के साथ अंतर-संबंध स्थापित करने में ज्ञान के क्षेत्र की सार्थकता को पहचानें।
- घटनाओं, प्राकृतिक और सामाजिक प्रक्रियाओं के संदर्भ में इनके कारण और प्रभाव संबंधों को वर्गीकृत और तुलना करें और समाज के विभिन्न वर्गों पर उनके प्रभाव को समझें।
- विविधता, लोकतंत्र, विकास, विविध कारकों और हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने वाली ताकतों जैसी संकल्पनाओं की व्याख्या करें।
- प्राकृतिक सामाजिक घटनाओं को समझने में दृष्टिकोणों की बहुलता को विकसित करने की आवश्यकता पर चर्चा करें।
- एकीकरण और अंतर्संबंधों के अंदर और विविध विषयों पर विभिन्न तरीकों का प्रदर्शन करें। समकालीन दुनिया में घटनाओं, प्रक्रियाओं और घटनाओं की स्थानिक परिवर्तनशीलता की पहचान करें। लोकतांत्रिक लोकाचार, इक्विटी, आपसी सम्मान, समानता, न्याय और सद्भाव की पहचान करें।
- अवलोकन, पूछताछ, प्रतिबिंब, सहानुभूति, संचार और महत्वपूर्ण सोच का कौशल प्रदर्शित करें।
- पर्यावरणीय मुद्दों, सतत् विकास, जेडर में असमानताओं, समाज के हाशिए पर मौजूद वर्गों और विशेष ज़रूरतों वाले व्यक्तियों के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता के भावों में सक्रिय सहयोगी बनें।
- प्रौद्योगिकी की सहायता से विभिन्न विषयों से संबंधित अवधारणाओं को स्पष्ट करें।

सीखने के प्रतिफलों को सामाजिक विज्ञान के विषय-संज्ञान को कक्षा 9 और 10 के लिए मोटे तौर पर 12 व्यापक भागों में बाँटा गया है। प्रत्येक भाग समान प्रकार की दक्षताओं के सेट से संबंधित है और इसमें सामाजिक विज्ञान की प्रकृति के आधार पर सामग्री को जोड़ने वाले कुछ सीखने के प्रतिफल शामिल हैं। कुछ सीखने के प्रतिफल सामान्य रूप से 9 और 10 दोनों कक्षाओं में मिल सकते हैं। शिक्षक विभिन्न उदाहरणों का उपयोग करके इनके साथ काम कर सकते हैं। ये विभिन्न सामाजिक विज्ञानों में उनके महत्व और सामग्री को ध्यान में रखते हुए विकसित किए गए हैं। सीखने के प्रतिफल को समझने के लिए अवधारणाओं, ऐतिहासिक घटनाओं, स्थानों, नामों और तिथियों का उपयोग किया जाता है। इन्हें राज्यों द्वारा अपने सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम के आधार पर बदला जा सकता है।

कक्षा 9

सीखने-सिखाने की प्रक्रिया	सीखने के प्रतिफल
विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से या समूहों में अवसर प्रदान किए जा सकते हैं और उन्हें प्रोत्साहित किया जा सकता है कि वे— • भारत के राजनीतिक मानचित्र या स्कूल भुवन पोर्टल एनसीईआरटी का निरीक्षण करें, इसमें राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के स्थान, सीमा, प्रकार, आकार आदि के संदर्भ में चिह्नित करें। • अन्य स्रोतों, जैसे— अन्य राज्यों की वेबसाइट, पाठ्यपुस्तकें, एटलस, मॉडल आदि से राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के बारे में जानकारी पर चर्चा और सत्यापन करें। • भाषाओं, भोजन, पोशाक, सांस्कृतिक परंपराओं आदि के संदर्भ में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए परियोजनाओं में संलग्न रहें। • जीन-पॉल मारत, जीन जैक्स रूसो जैसे तथा अन्य प्रख्यात विचारकों के कामों का चयन करें और फ्रांसीसी क्रांति के प्रकोप पर उनके कार्यों का प्रभाव जानें। • महत्वपूर्ण राजनीतिक नियमों और अवधारणाओं, जैसे कि मार्शल लॉ, एक तख्तापलट, एक वीटो और जनमत संग्रह के लिए लोकतंत्र के साथ-साथ तानाशाही की चर्चा में भी भाग लें। • विवरणों पर चर्चा करें (क) उस समय जब सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार पहली बार नागरिकों को प्रदान किया गया था और (ख) उपनिवेशवाद का अंत कैसे हुआ था। • भारतीय संविधान पर जानकारी एकत्र करें और इसके निर्माण की प्रक्रिया पर चर्चा करें। • अपने परिवेश से उत्पादन के विभिन्न कारकों, जैसे— भूमि, पूंजी और मानव संसाधनों का विवरण एकत्र करें। • पास के राशन की दुकान चुनें और स्थानीय बाज़ार के साथ उपलब्ध वस्तुओं की कीमतों की तुलना करें और मतभेदों के कारणों पर चर्चा करें। • खाद्य सुरक्षा में सहकारी की भूमिका का विश्लेषण। • गरीबी, खाद्य सुरक्षा, मानव संसाधन विकास पर ई-सामग्री सहित विभिन्न संसाधनों का अन्वेषण करें।	**विद्यार्थी—** • तथ्यों, आँकड़ों को पहचानता और पुनः प्राप्त करता है और प्रक्रियाओं को अभिव्यक्ति दे पाता है— ▪ भारत के मानचित्र पर स्थान, राज्य, संघ राज्य क्षेत्र और अन्य भौतिक विशेषताएँ बता सकता है। ▪ विभिन्न भौतिक विशेषताओं, वनों के प्रकार, मौसम आदि को पहचानता है और उनका वर्णन करता है। ▪ भूगोल में महत्वपूर्ण शब्दों में, जैसे— मानक मध्याह्न, जल निकासी बेसिन, जल विभाजन, मानसून, मौसम, जलवायु, वनस्पति, जीव, जनसंख्या घनत्व आदि का वर्णन करता है। ▪ वार्षिक विकास दर का अनुमान लगाता है। ▪ गरीबी, साक्षरता, बेरोज़गारी, लोगों की गिनती अनुपात, खाद्य सुरक्षा, निर्यात और आयात जैसे सरल आर्थिक शब्दों को परिभाषित करता है। ▪ उत्पादन के विभिन्न कारकों को सूचीबद्ध करता है। ▪ नाम, स्थान, वर्ष, कुछ महत्वपूर्ण सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक घटनाओं को याद करता है, जिन्होंने भारत और दुनिया को बदल दिया जैसे कि अमेरिकी क्रांति, फ्रांसीसी क्रांति, रूसी क्रांति और भारत में स्वतंत्रता संग्राम। ▪ मानचित्र पर ऐतिहासिक महत्व के स्थानों का पता लगाता है। ▪ कुछ एक सामाजिक समूहों की अर्थव्यवस्थाओं और आजीविकाओं का वर्णन करता है। ▪ लोकतंत्र और तानाशाही से जुड़े राजनीतिक शब्दों और संकल्पनाओं का वर्णन करता है। जैसे कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, न्याय की स्वतंत्रता, जवाबदेही, विधि का शासन इत्यादि। ▪ परिवेश में भौतिक सुविधाओं को वर्गीकृत करता है और उनकी तुलना अन्य स्थानों की भौतिक विशेषताओं से करता है। जनसंख्या, वर्षा जैसे विभिन्न आँकड़ों की तुलना करता है।

- चर्चा करें कि गरीबी रेखा का अनुमान विशेष रूप से सामाजिक वैज्ञानिकों के दृष्टिकोण से कैसे लगाया जाता है।
- आस-पास की भौतिक विशेषताओं के बारे में जानकारी इकट्ठा करें, साथियों के साथ इन विशेषताओं के बारे में चर्चा करें; अन्य प्राकृतिक भूगोल-संबंधी विभाजनों से संबंधित दृश्य दिखाए जा सकते हैं और उनकी विशेषताओं को समझाया जा सकता है।
- समानताएँ और अंतर देखने के लिए विभिन्न प्राकृतिक भूगोल-संबंधी विभाजन/डेटा।
- भारत की भौतिक विशेषताओं को वर्गीकृत करने के लिए स्पर्श मानचित्र/मॉडल का उपयोग करें।
- डेस्मोलिन और रॉबेस्पायर के विभिन्न विचारों को जानने की कोशिश करते हैं कि उन्होंने राज्य बल का किस प्रकार उपयोग किया, अत्याचार के खिलाफ़ स्वतंत्रता की लड़ाई से रॉबेस्पायर का क्या अभिप्राय है, डेस्मोलिन आज़ादी को किस तरह समझते हैं?
- विभिन्न स्रोतों से फ्रांस की संवैधानिक राजशाही के बारे में जानकारी इकट्ठा करें।
- ब्रिटेन, सऊदी अरब और भूटान जैसे समकालीन समय के विभिन्न राजतंत्रों पर चर्चा करें।
- फ्रेंच और रूसी क्रांति के बुरे प्रभाव से संबंधित महत्वपूर्ण घटनाओं पर समयरेखा विकसित करें। फ्रांस के संबंध में कुछ घटनाओं को समय रेखा में प्रदर्शित किया जा सकता है— संवैधानिक राजतंत्र, मानव अधिकार की घोषणा, गणतंत्र बनने पर और आतंक का शासन। इस समय-रेखा में छात्र फ्रांसीसी क्रांति पर और अधिक जानकारी जोड़ सकते हैं।
- सरकार के विभिन्न प्रकारों की सुविधाओं का अध्ययन करें और चर्चा करें।
- सामाजिक बहिष्कार के साथ-साथ गरीबी उन्मूलन पर एक समूह परियोजना तैयार करें।
- विक्रेताओं, जैसे— सब्जी, अखबार, दूधवाला, लॉन्ड्री (कम से कम दस लोग) से साक्षात्कार लें। उन्हें सरल प्रश्न तैयार करने और व्यापक निष्कर्ष का विकास करने के लिए निर्देशित किया जा सकता है।
- विभिन्न नदियों का पता लगाएँ, नदी के किनारों पर उनके उद्भव, नदी के बहाव के दौर, प्रमुख शहरों, उद्योगों का विवरण खोजें।

  - दुनिया में महत्वपूर्ण क्रांतियों, जैसे— फ्रेंच और रूसी क्रांतियों के लिए अग्रणी घटनाओं के दौर की तुलना करता है।
  - दुनिया भर में संचालित विभिन्न प्रकार की सरकारों के बीच अंतर जानता है।
  - भारतीय राज्यों में गरीबी और बेरोज़गारी के स्तर की तुलना करता है।
  - समकालीन समय, जैसे— ब्रिटेन, सऊदी अरब और भूटान के विभिन्न राजतंत्रों की तुलना करता है।
- घटना, कार्यक्रमों और उनकी घटना के बीच कारण और प्रभाव संबंध बताता है, जैसे —
  - प्रदूषण और लोगों के जीवन पर उनके प्रभाव डालने वाले कारकों की जाँच करता है।
  - एक क्षेत्र की नदी, जलवायु, जनसंख्या वितरण, वनस्पतियों और जीवों को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या करता है।
  - विभिन्न क्रांतियों के कारणों और प्रभावों की व्याख्या करता है।
  - यह बताता है कि समकालीन दुनिया में विभिन्न सामाजिक समूहों ने कैसे बदलावों का सामना किया और इन परिवर्तनों का वर्णन करता है।
  - क्रांति और सामाजिक परिवर्तन के बीच अंतर को समझाता है।
  - दुनिया के विभिन्न देशों में लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक शासन के गठन की रूपरेखा बनाता है।
  - लोकतांत्रिक देशों में परिवर्तन की प्रक्रिया की व्याख्या करता है, जैसे— लोकतंत्र, न्याय, स्वतंत्रता, समानता इत्यादि।
  - भारतीय नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों की पहचान करता है।
  - गरीबी, भूमिहीनता, खाद्य असुरक्षा जैसे आर्थिक मुद्दों के कारणों और प्रभावों की व्याख्या करता है।
  - सामाजिक बहिष्कार और भेद्यता के प्रभाव का विश्लेषण करता है।

- नदियों के प्रदूषण के लिए शहरों में लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाली नदी पर चर्चा करें।
- समूह परियोजनाओं पर काम करें, जिसमें वे विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्र कर सकते हैं, जैसे— किताबें, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, इंटरनेट, बुज़ुर्ग और एक मानचित्र पर नदी और संबंधित निष्कर्षों को अंकित करें और एक रिपोर्ट तैयार करें।
- विशेष आवश्यकताओं (सीडब्ल्यूएसएन) वाले बच्चों द्वारा विशेष रूप से स्पर्श मानचित्र के साथ काम करें।
- 1905 में रूसी क्रांति के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारणों की पहचान करना; एक प्रवाह चार्ट, पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन, उस अवधि से संबंधित समाचार पत्र की कतरन (1905) जैसे कई प्रकार के शिक्षण सहायक उपकरण का उपयोग करें।
- दुनिया के मानचित्र पर फ्रेंच और रूसी क्रांति के स्थानों को ज्ञात करें।
- एक चर्चा में भाग लें जो फ़रवरी 1917 में राजशाही के पतन पर, मज़दूरों की हड़ताल, मज़दूरों द्वारा किराया देने से इंकार और विभिन्न राजनीतिक दलों, जैसे— लिबरल, सोशल डेमोक्रेट्स और सामाजिक क्रांतिकारियों की गतिविधियों पर की जाए।
- यह चर्चा क्रांति और सामाजिक परिवर्तन की अवधारणाओं पर शुरू की जा सकती है।
- इस विचार को स्पष्ट करें कि फ्रांसीसी और रूसी की तरह कुछ क्रांतियाँ रक्त-बहाव का परिणाम हैं।
- शांतिपूर्ण क्रांतियों पर चर्चा करें, जैसे— भारत में औद्योगिक क्रांति, हरित, श्वेत और नीली क्रांतियों पर चर्चा करें।
- मीडिया और अन्य स्रोतों से वर्तमान विवरण एकत्र करें और लोकतंत्र की सफलता के उपाय पर चर्चा करें।
- दुनिया के लोकतांत्रिक देशों और उनकी स्थापना के इतिहास, उन परिस्थितियों के बारे में जानकारी एकत्रित करें और उन पर चर्चा करें, जिनके तहत सरकारें स्थापित हुईं।

- कुछ उदाहरणों के साथ लोगों द्वारा, लोगों के लिए, लोगों की सरकार के रूप में लोकतंत्र पर चर्चा करें।
- अखबार की कतरन पर चर्चा हो सकती है या शिक्षक सरकारी रिपोर्ट से गरीबी, खाद्य सुरक्षा पर डेटा प्रदान कर सकते हैं।
- प्रमुख जलवायु नियंत्रणों से परिचित होना— अक्षांश, ऊँचाई, दबाव और हवा प्रणाली और समुद्र से दूरी और चर्चा करना कि वे विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों की जलवायु को कैसे प्रभावित करते हैं।
- चर्चा करें कि कैसे पहाड़ी क्षेत्रों की जलवायु मैदानी क्षेत्रों से काफ़ी अलग है।
- औपनिवेशिक शासन के दौरान भारत सहित दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में अतीत में वनों की कटाई के लिए ज़िम्मेदार कारकों जैसे विषयों की जाँच करने के लिए लिखित रिकॉर्ड, मौखिक विवरणों जैसे विभिन्न प्राथमिक और माध्यमिक स्रोतों का उपयोग करें।
- भारत में विभिन्न वन अधिनियमों पर चर्चा— वन अधिनियम—1865, 1878 और 1927 में इसका संशोधन और वनवासियों और ग्राम समुदाय पर इसका प्रभाव।
- नाज़ीवाद चर्चा के उदय पर हिटलर के दृश्य, अख़बार की कतरनें, पोस्टर, पत्रक, वीडियो और भाषण एकत्र करें कि कैसे नाज़ीवाद से नरसंहार युद्ध आगे बढ़ा जिसके परिणामस्वरूप यहूदियों, जिप्सी और पोलिश नागरिकों जैसे निर्दोष नागरिकों की हत्या हुई।
- मॉक पार्लियामेंट और अदालती कार्यवाही का आयोजन करें, जिसमें विभिन्न लोकतांत्रिक अधिकार विषय हो सकते हैं।
- अकाल से जुड़े दृश्य दिखाएँ और वर्तमान ओएमटी (एक मिनट की बात) पेश करें।
- विभिन्न मानचित्रों का सहसंबंध समझें, उदाहरण के लिए– भौतिक सुविधाएँ और जल निकासी, भौतिक सुविधाएँ और जनसंख्या।

- विश्लेषण और जानकारी का मूल्यांकन करता है, जैसे—
  - भारत/विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में पाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की जलवायु का विश्लेषण करता है।
  - वनों की कटाई के लिए अग्रणी कारकों की जाँच करता है।
  - भारतीय संसद और न्यायपालिका के कामकाज की रूपरेखा बनाता या आकलन करता है।
  - साक्षरता और गरीबी जैसे महत्वपूर्ण विकास संकेतकों में ऐतिहासिक रुझानों का विश्लेषण करता है।
  - महत्वपूर्ण सरकारी कल्याण कार्यक्रमों के प्रभाव का आकलन करता है, जिसका उद्देश्य (क) गरीबी उन्मूलन है (ख) खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना; (ग) स्व-रोज़गार के अवसर प्रदान करना (घ) स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएँ प्रदान करना।
- व्याख्या करता है, उदाहरण के लिए—
  - भारत में नदी प्रणालियों के मानचित्र, प्राकृतिक भूगोल संबंधी, जनसंख्या वितरण।
  - दुनिया के बाकी हिस्सों के लिए माल और लोगों के आवागमन के मानचित्र।
  - ग्रंथ
  - प्रतीक जो स्वतंत्रता, समानता बिरादरी के लिए बने हैं।
  - कार्टून

- स्कूल भुवन-एनसीईआरटी पोर्टल पर विभिन्न नक्शों का पता लगाएँ और उन्हें ओवरले करने के अवसर प्रदान किए जा सकते हैं।
- विभिन्न अवधारणाओं को समझने के लिए एटलस मानचित्र का उपयोग करें।
- फ्रेंच और रूसी जैसी विभिन्न क्रांतियों से जुड़े स्थानों का पता लगाने का कौशल प्रदर्शित करें।
- अतीत और वर्तमान में स्थानों की भौगोलिक सीमाओं के परिवर्तन और उन कारणों के बारे में बताएँ, जिनके कारण यह हुआ है। आप इसे पाठ्यक्रम/पाठ्यपुस्तकों में विषय के साथ जोड़ सकते हैं।
- विभिन्न प्रतीकों का अध्ययन करें जो भारत और दुनिया की रूपरेखा मानचित्र पर सड़क, रेलवे, इमारतों, स्मारकों, नदियों आदि का चित्रण करते हैं। इसका उपयोग अध्ययन के तहत थीम के अनुसार किया जा सकता है।
- एक आर्थोफ़ोटो मानचित्र से जानकारी की व्याख्या करें और वास्तविकता के साथ तुलना करें।
- राज्यों और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के सीमांकन के लिए भारत के राजनीतिक मानचित्र का उपयोग करें।
- निम्नलिखित (1) उच्च और निम्न गरीबी (2) साक्षरता स्तर (3) खाद्यान्नों के उत्पादन और राज्यों के बीच अंतर के कारणों के संदर्भ में व्याख्या करने के लिए भारत के राज्यों के नक्शे का उपयोग करें।
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विभिन्न व्यवसायों में लगे व्यक्तियों की तसवीरें चुनें और अर्थव्यवस्था के तीन क्षेत्रों में वर्गीकृत करें।
  (1) शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मौजूद बेरोज़गारी
  (2) विभिन्न राज्यों में मौजूद गरीबी पर अपने परिवेश और सरकार की रिपोर्ट से डेटा संकलित करें।
- जनसंख्या के संबंध में साक्षरता दर, खाद्यान्नों के उत्पादन और खाद्य असुरक्षा के आँकड़ों का प्रतिनिधित्व करने के लिए तालिकाओं का उपयोग करें और जनता के कल्याण के संदर्भ में इनकी व्याख्या करें।

- तसवीरें
- पोस्टर
- सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों से संबंधित अखबार की कतरनें।
- कृषि उत्पादन, साक्षरता, गरीबी और जनसंख्या से संबंधित डेटा के पाई और बार आरेखों को तैयार करता है।

- तालिकाओं से बार और पाई आरेख बनाएँ और इनमें परिवर्तित करें।
- अखबार की कतरनों से समझाएँ या शिक्षक, सरकार की रिपोर्ट में से गरीबी, खाद्य सुरक्षा, सामाजिक बहिष्कार और भेद्यता पर, उनके कारणों और समाज पर प्रभाव के बारे में डेटा प्रदान कर सकते हैं।
- बार/पाई आरेख विकसित करें और आरेख में डेटा को प्लॉट करें, उदाहरण के लिए— जनसंख्या डेटा, प्राकृतिक वनस्पति आदि।
- विषयों का अन्य विषयों के साथ सहसंबंध बनाएँ, जैसे कि उत्तर में विभिन्न मार्ग और दक्षिण में बंदरगाह होने से यात्रियों को मार्ग प्रदान किया है और प्राचीन काल से विचारों और वस्तुओं के आदान-प्रदान में इन मार्गों द्वारा कैसे योगदान दिया गया है?
- औपनिवेशिक काल में वनों की कटाई और वनवासियों के जीवन पर उनके प्रभाव; औपनिवेशिक और समकालीन समय में वन के अंतर्गत आने वाली भूमि की सीमा जैसे भौगोलिक पहलुओं के साथ जुड़ी वनों की कटाई पर चर्चा करें।
- चर्चा करें कि अतीत और वर्तमान में वन अधिनियम महिलाओं सहित विभिन्न आदिवासी समुदायों को कैसे प्रभावित करते हैं।
- कुछ राजनीतिक विकासों और सरकार के फैसलों का अध्ययन करें और भौगोलिक महत्व और चुनावी क्षेत्रों की दृष्टि से उन्हें देखें।
- देशों के भू-राजनीतिक महत्व को रेखांकित करके विभिन्न देशों में लोकतांत्रिक आंदोलनों का इतिहास पढ़ें।
- 1940 की ऐतिहासिक घटनाओं और 1946-49 के दौरान भारत में संविधान बनाने का अध्ययन करें।
- भूगोल और कृषि के घटक के रूप में उत्पादन और खाद्य सुरक्षा जैसे कारकों के साथ भूगोल में संसाधनों के हिस्से के रूप में भूमि और कृषि के मुद्दों पर फ़ोकस करें।
- सामाजिक विज्ञान के साथ अंतर-संबंध जोड़ता है, उदाहरण के लिए—
  - ऐतिहासिक काल से व्यापार और संचार के लिए भारत में विभिन्न रास्तों और समुद्री बंदरगाहों के बीच अंतर्संबंध बताता है।
  - चुनावी निर्वाचन क्षेत्रों के भौगोलिक महत्व की जाँच करता है। कृषि के एक घटक के रूप में खाद्य सुरक्षा का विश्लेषण करता है।
  - जनसंख्या वितरण और खाद्य सुरक्षा के बीच संबंधों का विश्लेषण करता है।
  - वनवासियों, आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण सहित विभिन्न सामाजिक समूहों के आजीविका पैटर्न के बीच अंतर्संबंधों की व्याख्या करता है।

- लोकतंत्र में मनुष्यों के अधिकार को उजागर करने के लिए राजनीतिक आयामों के साथ संबंध जानें और नागरिकों को अर्थव्यवस्था के लिए एक संपत्ति के रूप में देखें।
- 3 शेड्स, मिर्च मसाला, मंथन जैसे— चलचित्र, वृत्तचित्र दिखाएँ और इन्हें कम आय और गरीबी से जोड़ दें, जिसके बाद कक्षा में आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संघर्ष पर चर्चा की जा सकती है।
- राष्ट्रीय जनसंख्या नीति–2000 पढ़ें और किशोरावस्था से संबंधित इसकी सामग्री पर चर्चा करें।
- जब वे विभिन्न लेखकों के साहित्यिक कार्यों को पढ़ते हैं तो तथ्य और कथा के बीच के अंतर को समझने के लिए ऐतिहासिक स्रोतों की व्याख्या करें।
- हमारे ऐतिहासिक अतीत के विभिन्न बिंदुओं पर आधारित उपन्यासों, जीवनी और कविताओं का आकलन करें।
- विभिन्न लोगों की धारणाओं, पूर्वाग्रहों और पूर्वधारणाओं का पता लगाने और उन पर चर्चा करने के लिए चित्रों, कार्टून और अखबारों की कतरनों का उपयोग करें। शिक्षक, विद्यार्थियों को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक पहलुओं से उदाहरणों का उपयोग करके तथ्यों और विचारों के बीच अंतर को पहचानने के लिए मार्गदर्शन दे सकते हैं।
- पुरातात्विक अवशेष, आधिकारिक रिकॉर्ड, मौखिक ब्यौरों जैसे अन्य स्रोतों का उपयोग करके अध्ययन के तहत अवधि की समग्र तसवीर का पता लगाएँ और इसका निर्माण करें। निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा शुरू की जा सकती है—
  - यह स्रोत किस के बारे में है?
  - लेखक कौन है?
  - इससे क्या संदेश निकाला जा सकता है?
  - क्या यह प्रासंगिक/उपयोगी है?
  - क्या इससे घटना को समग्रता में समझा जाता सकता है?
  - यह समझना कि ऐतिहासिक रिकॉर्ड रखने वाला व्यक्ति, व्यक्तिवाद से मुक्त नहीं है।

- मान्यताओं/पूर्वाग्रहों/रूढ़ियों की पहचान करता है, उदाहरण के लिए—
  - ग्रंथ
  - दृश्य
  - राजनीतिक विश्लेषण
  - समाचार
  - भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में लोग
  - महत्वपूर्ण सरकारी कल्याण कार्यक्रम

- फ़्रांसीसी क्रांति के दस्तावेज़ी उदाहरणों से इस नाटकीय रूप को पेश करें जो ओलेंपी गोज़ेस द्वारा पुरुषों और नागरिकों के अधिकार की घोषणा में से महिलाओं को बाहर करने के विरोध में इस ऐतिहासिक दस्तावेज़ में मौजूद पूर्वाग्रह को सामने लाने के लिए किया गया।
- नियमित रूप से टीवी या समाचारपत्रों के विभिन्न मुद्दों और घटनाओं पर दिए जाने वाले नेताओं के बयानों को देखें और नोट करें। शिक्षक, उदाहरण प्रदान कर सकते हैं और मान्यताओं, झुकावों, पूर्वाग्रहों और रूढ़ियों को इंगित करने के लिए एक मुद्दे पर छात्रों के अपने विचार भी हो सकते हैं।
- अपने क्षेत्र में मज़दूरी कर रहे पुरुषों और महिलाओं को भुगतान की गई मज़दूरी के विवरणों को सूचीबद्ध करें और चर्चा करें कि क्या अंतर मौजूद है, यदि कोई हो, तो कारण प्रदान किए जा सकते हैं।
- खाद्य सुरक्षा, रोज़गार सृजन, अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं का विश्लेषण करें।
- मानसून के तंत्र को समझने के लिए प्रश्न पूछें, उदाहरण के लिए इससे ज़मीन और पानी के गर्म होने में अंतर का प्रभाव, इंटर ट्रांपिकल कन्वर्जेंस ज़ोन (आईटीसीजेड), एल नीनो और जेट स्ट्रीमों का स्थानांतरण मानसून को प्रभावित करता है।
- विभिन्न प्रकार के प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों को इकट्ठा करने के लिए जाँच कौशल का उपयोग करें और यह जानें कि फ़्रांस, यूरोप के बाकी हिस्सों और विभिन्न औपनिवेशिक संघर्षों में स्वतंत्रता, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व से प्रेरित राजनीतिक आंदोलनों के आदर्श कैसे हैं; समूहों में इस क्षेत्र पर परियोजनाओं, पोस्टर और मल्टीमीडिया मॉडल तैयार किए जा सकते हैं।
- विभिन्न अखबारों, पत्रिकाओं और पुस्तकों से विभिन्न सामयिक, राजनीतिक, सामाजिक या स्थानीय मुद्दों पर विवरण एकत्र करें। समान मुद्दों के बारे में विभिन्न विचारों की तुलना करें।

- जिज्ञासुता/पूछताछ के कौशल को प्रदर्शित करता है अर्थात् इससे संबंधित प्रश्नों को प्रस्तुत करता है, उदाहरण के लिए—
  - भौगोलिक घटनाएँ जैसे मानसून का तंत्र और प्राकृतिक आपदाओं का कारण।
  - भारत/उनके अपने क्षेत्र में हरित क्रांति का प्रभाव।
  - भारत और दुनिया में फ्रांसीसी क्रांति की विरासत।

- वंचित समूहों द्वारा सामना की जाने वाली सुभेद्यता के बारे में एक विशेष आर्थिक समस्या की व्याख्या करें।
- हरित क्रांति पर सामग्री का विश्लेषण।
- डेटा/अनुभवों से विवरण का पता लगाएँ, उदाहरण के लिए (क) किसी स्थान की भौगोलिक विशेषता वितरण को कैसे प्रभावित करती है; (ख) किसी क्षेत्र की जलवायु परिस्थितियाँ किसी स्थान की प्राकृतिक वनस्पति को कैसे प्रभावित करती हैं?
- बाघ और नदियों के संरक्षण परियोजना जैसे विषयों पर एक रोल-प्ले तैयार कराएँ और भारत में बाघ संरक्षण की प्रासंगिकता पर चर्चा करें।
- उन जीवित किंवदंतियों के साक्षात्कार रिकॉर्ड या इकट्ठा (इंटरनेट/यूट्यूब से) करें, जिन्होंने नाज़ीवाद के अत्याचारों और कष्टों का अनुभव किया है।
- ई-सामग्री दिखाएँ और जनसंख्या की गुणवत्ता से संबंधित मामले के अध्ययन का विश्लेषण करें।
- विभिन्न स्रोतों, जैसे कि दैनिक समाचारपत्रों से मौसम और आबादी से संबंधित जानकारी एकत्र करें और रिकॉर्ड किए गए डेटा/सूचना का विश्लेषण करें।
- फ्रांसीसी क्रांति पर एक रोल प्ले तैयार करें और इसमें पादरी, राजवंश, व्यापारियों, किसानों और कारीगरों की भूमिका निभाएँ, प्रत्येक समूह के फेसिलिटेटर द्वारा प्रत्येक वर्ग की भावनाओं से उनकी धारणाओं का निष्कर्ष निकाला जा सकता है।
- भारत में अकाल के बारे में जानकारी एकत्र करें। औपनिवेशिक काल में अकालों के कारणों का अन्वेषण करें।
- समस्या पैदा करने वाले कारकों की पहचान करना और नदी प्रदूषण, जनसंख्या वृद्धि, वनस्पतियों और जीवों की सुरक्षा आदि से संबंधित समाधानों तक पहुँचने के लिए रचनात्मक और गंभीर रूप से निर्णय लेना।
- इस विषय पर एक वर्ग बहस का आयोजन करना कि— क्या मानव अधिकार उल्लंघन के विभिन्न रूपों को संबोधित करने के लिए हिंसा का उपयोग उचित दृष्टिकोण है या नहीं।

- एकत्रित/दी गई जानकारी के आधार पर तर्कों/विचारों का निर्माण करता है, उदाहरण के लिए—
  - विभिन्न जलवायु परिस्थितियों के साथ लोगों और उनके अनुकूलन
  - जीवित ऐतिहासिक किंवदंती निर्माताओं के मौखिक और लिखित ब्यौरे
  - संसाधन के रूप में लोग
- कार्यक्रमों और घटनाओं का पहले से अनुमान लगाता है, उदाहरण के लिए—
  - मौसम
  - प्रदूषण और बीमारियाँ
  - अकाल और गरीबी
- निर्णय लेने/समस्या सुलझाने के कौशल दर्शाता है, उदाहरण के लिए—
  - जल प्रदूषण के प्रभाव को कम करना
  - संसाधनों का संरक्षण
  - भोजन की कमी की समस्या
  - भारत में भूख और अकाल से बचें
  - ऐतिहासिक घटनाओं और विकास में संसाधनों की उपयुक्तता पर निर्णय लेना

- योजना और पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेना, स्कूल में दैनिक काम, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिनमें समस्या को हल करने और निर्णय लेने के कौशल की आवश्यकता होती है।
- कुछ सीमित लोगों के हाथों में संसाधनों के जमाव के प्रभाव को दिखाने के लिए समाचार पत्र और पत्रिकाओं को ठीक करें।
- अमीर और गरीब के बीच संसाधनों के वितरण के संदर्भ में असमानता के कारण और प्रभाव का वर्णन करें।
- वनस्पतियों और जीवों के मूल्यों और आपदा तैयारियों और अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं को पहचानने के लिए समूह परियोजनाओं में भाग लें।
- पर्यावरण (पौधों, जलाशयों आदि) के संरक्षण, जल विवादों— अंतरराज्यीय और सीमा पार और प्रकृति-मानव स्थायी संबंधों को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में भाग लें।
- अपने नागरिकों के लिए स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और नौकरी की सुरक्षा को सुरक्षित करने के लिए सवाल उठाना; समुदाय के लोगों को इन मुद्दों को सुधारने के लिए प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए।
- विभिन्न संसाधनों, जैसे कि फ़िल्मों, ऑडियो विज़ुअल्स और रिकॉर्ड्स की फ़ोटोकॉपी, निजी कागज़ात, और विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं से जुड़े नेताओं के मूल भाषणों सहित पुरातात्विक संग्रह से प्रेस क्लीपिंग को संकलित करना।
- नाजीवाद और आदिवासी विद्रोह जैसे विषयों पर परियोजनाओं का निर्माण करें।
- भारत की स्वतंत्रता प्राप्त करने में गांधीजी द्वारा अपनाई गई सत्याग्रह और अहिंसा की रणनीति पर चर्चा करें, स्वतंत्रता संग्राम में विभिन्न आंदोलन पर चर्चा करें जहाँ नेताओं द्वारा अपार ताकत और साहस को पहचानने के लिए सत्याग्रह को अपनाया गया था।

- संवेदनशीलता और प्रशंसा कौशल दर्शाता है, उदाहरण के लिए—
  - समाज के विभिन्न दिव्यांग और अन्य सीमांत वर्गों जैसे अनुसूचित जनजाति के साथ सहानुभूति रखता है।
  - राजनीतिक विविधता की सराहना करता है।
  - सांस्कृतिक विविधता की सराहना करता है।
  - धार्मिक विविधता की सराहना करता है।
  - भाषा विविधता को पहचानता है।
  - सामाजिक विविधता को पहचानता है।
  - प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं, अन्य युद्ध व राजनीतिक संघर्ष से प्रभावित लोगों के साथ सहानुभूति रखता है।
  - शारीरिक और मानसिक हिंसा एवं अन्य यातनाओं की मर्मतता से मानव को कैसे अत्यधिक पीड़ा होती है इसके लिए संवेदनशील रहता है।
  - स्वच्छता, समय की पाबंदी और नियमों का अनुपालन और एक ज़िम्मेदार नागरिक होने का कर्तव्य निभाता है।

• होलोकॉस्ट के जीवंत अनुभवों के प्रकाशित रिकॉर्डों का पता लगाना और उनकी जाँच करना। • वंचित समूहों, अल्पसंख्यकों की स्थितियों में सुधार के लिए उपलब्ध संवैधानिक प्रावधानों का अध्ययन करें, देशभक्ति, देश की एकता, लोगों की समानता, सभी मनुष्यों के लिए सम्मान और अपने कर्तव्यों का पालन करना आदि। • आबादी के लिए खाद्य असुरक्षा के साथ-साथ गरीबों के सामने आने वाली समस्या को उजागर करने के लिए रोल-प्ले/लघु नाटक करें और इसके बाद चर्चा करें। • लक्षित आबादी के लिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अपने आस-पास के क्षेत्र में स्थापित राशन की दुकानों की शृंखला को पहचानें। • सभी के लिए जेंडर-समानता और गरिमा पर एक छोटा भाषण लिखें (हाशिये पर रहने वालों के साथ-साथ विशेष आवश्यकताओं वाला समूह)।	

कक्षा 10

सीखने-सिखाने की प्रक्रिया	सीखने के प्रतिफल
विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से या समूहों में अवसर प्रदान किए जा सकते हैं और उन्हें प्रोत्साहित किया जा सकता है कि वे— • आस-पास से मिट्टी के विभिन्न नमूने एकत्र करें, उनके रंग, बनावट और संरचना की मदद से उन्हें पहचानें; नक्शे पर दिखाए गए भारत के भौगोलिक क्षेत्रों के साथ उनका संबंध जानें; इन मिट्टी के निर्माण की प्रक्रिया का अध्ययन करें। • भारत के विभिन्न प्रकार के मानचित्र, जैसे कि— राजनीतिक, भौतिक और रूपरेखा मानचित्र, वॉल मैप, एटलस, सूची और चिह्नित स्थानों/क्षेत्रों पर जहाँ विभिन्न कृषि फ़सलों, खनिजों आदि का उत्पादन किया जाता है। • दृश्य-बाधित छात्रों के लिए स्पर्श मानचित्र का उपयोग किया जा सकता है। • भूगोल के शब्दकोश से संसाधनों, निर्वाह कृषि, वृक्षारोपण आदि का अर्थ खोजें। • विभिन्न स्रोतों को पढ़ें और भारत की स्वतंत्रता तक भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौर की खोज करें। • राष्ट्र और राष्ट्रवाद की संकल्पनाओं से परिचित हों। • विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक समूहों और व्यक्तियों के लेखन और आदर्शों से परिचित हों। • 1921 के असहयोग आंदोलन में शामिल होने वाले सामाजिक समूहों का विवरण एकत्र करें। • भारत के राष्ट्रीय आंदोलन की महत्वपूर्ण घटनाओं पर एक समय रेखा बनाएँ। • भारत की प्रमुख भाषाओं और उन भाषाओं को बोलने वाले व्यक्तियों की संख्या का विवरण भारत की जनगणना की नवीनतम रिपोर्टों से एकत्र करें और चर्चा करें। • भारतीय संविधान को पढ़ें और इसमें विभिन्न भागों पर चर्चा करें। • विभिन्न प्रकार के संसाधन, जैसे— वनों, पानी, खनिजों आदि को इकट्ठा करें और कक्षा में समूह बनाने और प्रदर्शित करने के लिए कई प्रकार के मानदंड का उपयोग करें।	**विद्यार्थी —** • तथ्यों, आँकड़ों को पहचानता और पुनः प्राप्त करता है और प्रक्रियाओं को बताता है। ▪ विभिन्न प्रकार की मिट्टी, खनिजों, ऊर्जा संसाधनों, नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों की पहचान करता है। ▪ भारत के मानचित्र पर कोयला, लौह अयस्क, पेट्रोलियम, चावल, गेहूँ, चाय, कॉफ़ी, रबर, सूती कपड़े के उत्पादन किए जाने वाले इलाकों/क्षेत्रों का पता लगाता है। ▪ भूगोल में महत्वपूर्ण शब्दों को परिभाषित करता है, जैसे— संसाधन, नवीकरणीय और अप्राप्य संसाधन, निर्वाह कृषि, वृक्षारोपण, कृषि को स्थानांतरित करना। ▪ स्थायी विकास, सकल घरेलू उत्पाद, प्रति व्यक्ति आय, मानव विकास सूचकांक, बहुराष्ट्रीय कंपनी, विदेशी निवेश जैसे आर्थिक शब्दों को परिभाषित करता है। ▪ धन के विभिन्न रूपों और ऋण के स्रोतों, उपभोक्ताओं के अधिकारों को सूचीबद्ध करता है ▪ कुछ महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं जैसे फ़्रांसीसी क्रांति, राष्ट्रवाद, औद्योगिकीकरण, वैश्वीकरण और शहरीकरण से जुड़े लोगों के नाम, स्थान, दिनांक याद करता है। ▪ राष्ट्रवाद, उपनिवेशवाद, प्राच्यवाद, लोकतंत्र, सत्याग्रह, और स्वतंत्रता जैसे शब्दों और संकल्पनाओं को परिभाषित करता है। ▪ संघीयता, विविधता, धर्म, राजनीतिक पार्टी जैसे महत्वपूर्ण शब्दों को परिभाषित करता है। • घटनाओं, तथ्यों, आँकड़ों और आँकड़ों को वर्गीकृत और तुलना करता है, जैसे— ▪ संसाधनों, खनिजों, खेती के प्रकारों को वर्गीकृत करता है, उदाहरण— निर्वाह और व्यावसायिक खेती। ▪ भारत के मानचित्र पर चावल और गेहूँ उगाने वाले क्षेत्रों की तुलना करता है।

- भारत में विभिन्न फ़सल पैटर्न और आर्थिक विकास पर उनके प्रभाव का संबंध जानें और कक्षा में चर्चा करें।
- इंटरैक्टिव विषयगत मानचित्रों, उदाहरण के लिए स्कूल भुवन-एनसीईआरटी पोर्टल पर कृषि, खनिज, ऊर्जा, उद्योग आदि का अध्ययन करने के लिए इंटरनेट का उपयोग करें।
- यूरोपीय राष्ट्रवाद और उपनिवेशवाद विरोधी राष्ट्रवाद के बीच संबंध/अंतर पर चर्चा करें।
- राजशाही देश और एक उपनिवेश में औद्योगीकरण पर चर्चा करें।
- विभिन्न संदर्भों में वैश्वीकरण का अध्ययन।
- दक्षिण अमेरिका में किसी एक देश में उपनिवेश-विरोधी आंदोलन के बारे में पता करें और कुछ मापदंडों के आधार पर भारत के राष्ट्रीय आंदोलन के साथ तुलना करें।
- इसका विवरण एकत्र करें कि विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा अपने दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले सामानों और सेवाओं, जैसे कि— टेलीविज़न, मोबाइल फ़ोन, घरेलू उपकरणों और अन्य लोगों का उपयोग करके वैश्वीकरण का अनुभव अलग-अलग तरीके से कैसे किया जाता है और चर्चा करें।
- दुनिया में विभिन्न प्रकार की सरकारों का अध्ययन करें — लोकतांत्रिक, कम्युनिस्ट, सैन्य तानाशाही आदि। लोकतंत्रों के अंदर भी सरकारों के विभिन्न रूप, जैसे— संघीय और एकात्मक, गणतंत्र और राजशाही आदि का भी अध्ययन किया जा सकता है।
- विभिन्न दलों या गठबंधन द्वारा राज्य सरकारों के कामकाज को पढ़ें उनकी विशिष्ट विशेषताओं, जैसे— उनके नारों, एजेंडे, प्रतीकों और उनके नेताओं की विशेषताओं की जाँच करें।
- विभिन्न राजनीतिक दलों की विशिष्ट विशेषताओं का अध्ययन करें।
- राज्यों और देशों के आर्थिक विवरणों का विवरण एकत्र करें। उदाहरण के लिए, मानव विकास सूचकांक के आधार पर, वे कुछ देशों को वर्गीकृत कर सकते हैं। वे सकल घरेलू उत्पाद (राज्य घरेलू उत्पाद के आधार पर राज्य), जीवन प्रत्याशा और शिशु मृत्यु दर आदि के आधार पर देशों को समूह या श्रेणीबद्ध कर सकते हैं।
  - जर्मनिया की छवि के साथ भारतमाता की छवि जैसे दृश्यों की तुलना करता है।
  - भारत, दक्षिण अमेरिका, केन्या, इंडो चीन जैसे देशों में उपनिवेशवाद विरोधी राष्ट्रवाद के साथ यूरोपीय राष्ट्रवाद की तुलना करता है।
  - कुछ महत्वपूर्ण देशों की प्रति व्यक्ति आय की तुलना करता है। उपभोक्ता के अधिकारों में अंतर पता करता है।
  - मानदंडों का उपयोग करके क्षेत्रों में व्यवसायों और आर्थिक गतिविधियों को वर्गीकृत करता है।
  - भारत में राज्य और केंद्र सरकार की शक्तियों और कार्यों की तुलना करता है।
  - भारत में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का वर्गीकरण करता है।
  - राजनीतिक चर्चाओं में प्रयुक्त शब्दों और उनके अर्थ, जैसे— गांधीवादी, साम्यवादी, धर्मनिरपेक्षतावादी, नारीवादी, जातिवादी, सांप्रदायिकतावादी आदि की व्याख्या करता है।
- घटना, कार्यक्रमों और उनकी घटना के बीच कारण और प्रभाव संबंध बताता है, जैसे—
  - भारत में विभिन्न फ़सलों के उत्पादन के लिए ज़िम्मेदार कारकों के बारे में बताता है।
  - उद्योगों और पर्यावरण पर उनके प्रभाव की व्याख्या करता है।
  - विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं और विकास के बीच कारण और प्रभाव जैसे कि भारत में राष्ट्रवाद के विकास पर प्रिंट संस्कृति का प्रभाव बताता है।
  - खाद्य उपलब्धता पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव की जाँच करता है। दुनिया के उदाहरण के लिए अमेरिका के उपनिवेश में विभिन्न क्षेत्रों में पूर्व-आधुनिक दुनिया में बीमारी के वैश्विक हस्तांतरण के प्रभाव का आकलन करता है।
  - भू-जल और कच्चे तेल जैसे प्राकृतिक संसाधनों के अति प्रयोग के प्रभाव का विश्लेषण करता है।
  - सकल घरेलू उत्पाद की क्षेत्रीय संरचना में परिवर्तन का विश्लेषण, क्रेडिट के विभिन्न स्रोतों पर निर्भरता के प्रतिफलों का विश्लेषण करता है।

- अपने पड़ोस में आर्थिक गतिविधियों/नौकरियों/व्यवसायों का विवरण एकत्र करें और कुछ मानदंडों का उपयोग करके उन्हें समूहित करें। उदाहरण के लिए— संगठित और असंगठित/ औपचारिक और अनौपचारिक प्राथमिक-माध्यमिक-तृतीयक।
- अपने पड़ोस से क्रेडिट के स्रोतों पर डेटा एकत्र करें, जहाँ से लोग उधार लेते हैं और उन्हें औपचारिक और अनौपचारिक में समूहित करें।
- स्कूल भुवन-एनसीईआरटी पोर्टल पर नक्शे की विषयगत परतों को विश्लेषित करें, भारत में चावल का वितरण और मिट्टी, वार्षिक वर्षा, राहत सुविधाओं की परतों का निष्कर्षण करें और कारण और प्रभाव संबंध स्थापित करने के लिए इन परतों को स्वाइप करें।
- कच्चे माल के आधार पर विभिन्न प्रकार के उद्योगों को वर्गीकृत करना, उन्हें मानचित्र पर खोजना और उन्हें आस-पास के क्षेत्रों में प्रदूषण से संबंधित करना।
- पिछले 100 वर्षों में प्रिंट तकनीक में बदलाव के बारे में पता करें। बदलावों पर चर्चा करें, वे क्यों हुए हैं और उनके परिणाम क्या हैं।
- भारतीय संविधान के विभिन्न प्रावधानों, कारणों और इसके प्रभाव के रूप में राजनीतिक परिदृश्य के बारे में पढ़ें। उदाहरण के लिए— न्यायपालिका की स्वतंत्र स्थिति संघवाद के सुचारु संचालन में प्रभाव डालती है।
- चर्चा करें कि (क) भारत की जनसंख्या का एक बड़ा वर्ग प्राथमिक क्षेत्र पर निर्भर क्यों है (ख) सेवा क्षेत्र के उत्पादन में तेजी से वृद्धि में क्या योगदान दिया।
- पड़ोस और घरों के बीच एक सर्वेक्षण करें और क्रेडिट के औपचारिक या अनौपचारिक स्रोतों पर उनकी निर्भरता के कारणों को इकट्ठा करें। शिक्षक इस बात पर बहस का आयोजन कर सकते हैं कि क्या बैंक ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले ज़रूरतमंद उधारकर्ताओं के लिए योगदान करते हैं या नहीं।

- भारत के राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की नीतियों और कार्यक्रमों की व्याख्या करता है।

- विश्लेषण और जानकारी का मूल्यांकन करता है, जैसे—
  - सतत विकास को ध्यान मे रखते हुए किसी भी क्षेत्र में लोगों के जीवन पर प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रभाव का आकलन करता है।
  - जल/वन/वन्यजीव/मिट्टी के संरक्षण के स्वदेशी/आधुनिक तरीकों का विश्लेषण करता है।
  - आम चुनावों में राजनीतिक दलों की जीत और हार के बारे में बताता है।
  - भारत में लोकतंत्र में सुधार के लिए विभिन्न सुझावों का मूल्यांकन करता है।
  - ग्रंथों और दृश्यों का विश्लेषण करता है जैसे कि यूरोप के बाहर के देशों में राष्ट्रवाद के प्रतीक यूरोपीय प्रतीकों से कैसे भिन्न हैं।
  - मनरेगा के प्रभाव, ऋण के स्रोत के रूप में बैंकों की भूमिका का आकलन करता है।
  - अपने क्षेत्र/इलाके/स्थानीय अर्थव्यवस्था में वैश्वीकरण के प्रभाव का आकलन करता है।
  - आउटपुट और रोज़गार के लिए विभिन्न क्षेत्रों के योगदान का विश्लेषण करता है।
- व्याख्या करता है, उदाहरण के लिए—
  - मानचित्र
  - ग्रंथ
  - प्रतीक
  - आरेख जैसे कि पाई और बार
  - कार्टून
  - तसवीरें
  - पोस्टर
  - अखबार की कतरनें

- भारत के विभिन्न हिस्सों से पर्यावरण संरक्षण में शामिल समुदायों की कहानियों को इकट्ठा करें और उन्हें भौगोलिक दृष्टिकोण से अध्ययन करें।
- पर्यावरण संरक्षण आंदोलनों में लोगों की भागीदारी और क्षेत्र के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन पर उनके प्रभाव का विवरण इकट्ठा करें और चर्चा करें, उदाहरण के लिए चिपको और अप्पिको आंदोलन।
- भारत के आर्थिक सर्वेक्षण, समाचार पत्र, सकल घरेलू उत्पाद से संबंधित पत्रिकाएँ, प्रति व्यक्ति आय, विभिन्न घरों के लिए ऋण की उपलब्धता, भूमि-उपयोग, फ़सल के पैटर्न और भारत में खनिजों के वितरण, विभिन्न वर्षों के अनाज का उत्पादन और उन्हें परिवर्तित करने के लिए डेटा एकत्र करें। कक्षा में पाई या बार आरेख और पैटर्न और प्रदर्शन का अध्ययन करें।
- विभिन्न स्रोतों से प्राप्त चित्रों, तसवीरों, कार्टून, निष्कर्ष से परिचित हों— प्रत्यक्षदर्शी ब्यौरे, यात्रा साहित्य, समाचार पत्र/पत्रिकाएँ, नेताओं के बयान, आधिकारिक रिपोर्ट, संधियों की शर्तें, दलों द्वारा घोषणाएँ और कुछ मामलों में समकालीन कहानियाँ, आत्मकथाएँ, डायरी, लोकप्रिय साहित्य, भारत और समकालीन दुनिया के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं और मुद्दों के इतिहास को समझने और पुनर्निर्माण करने के लिए मौखिक परंपराएँ।
- विभिन्न प्रकार के स्रोतों का अवलोकन करें और पढ़ें; सोचें कि ये क्या कहते हैं और क्यों किसी चीज़ को एक विशेष तरीके से दर्शाया जाता है। चित्रों और निष्कर्ष के विभिन्न पहलुओं पर सवाल उठाएँ, ताकि इनके साथ एक महत्वपूर्ण जुड़ाव की अनुमति दी जा सके यानी मैनचेस्टर और भारत के क्लॉथ लेबल के दृश्य; इनका ध्यानपूर्वक अवलोकन करें और प्रश्नों का उत्तर दें, जैसे— वे इन चित्रों में क्या देखते हैं? इन लेबल से उन्हें क्या जानकारी मिलती है? इन लेबल में देवी-देवताओं या महत्वपूर्ण आकृतियों के चित्र क्यों दिखाए गए हैं? क्या ब्रिटिश और भारतीय उद्योगपति इन चित्रों का एक ही उद्देश्य के लिए उपयोग करते थे? इन दो लेबल के बीच समानताएँ या अंतर क्या हैं?
  - विभिन्न क्षेत्रों/जलवायु क्षेत्रों में पानी की कमी
  - यूरोप में विभिन्न संधियों द्वारा लाए गए मानचित्रों में परिवर्तन
  - भारत से पश्चिम एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और दुनिया के अन्य हिस्सों में व्यापार के समुद्र और भूमि लिंक को बनाता है।
  - भारत में सकल घरेलू उत्पाद, विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन और उद्योगों, रोज़गार और जनसंख्या से संबंधित डेटा के पाई और बार आरेखों को बनाता और उनकी व्याख्या करता है।
- सामाजिक विज्ञान के साथ अंतर-संबंध जोड़ता है—
  - फ़सल पैटर्न, व्यापार और संस्कृति में परिवर्तन का विश्लेषण करता है।
  - बताता है कि भारत के कुछ क्षेत्रों को क्यों विकसित किया गया है।
  - संस्कृति पर व्यापार के प्रभाव का विश्लेषण करता है।
  - आर्थिक विकास और लोकतंत्र के बीच संबंधों को दर्शाता है।
- मान्यताओं/पुरानी सोच/पूर्वाग्रहों रुढ़ियों की पहचान करता है, उदाहरण के लिए—
  - क्षेत्र
  - ग्रामीण और शहरी क्षेत्र
  - भोजन की आदतें
  - जेंडर
  - भाषा
  - विकास का विचार
  - मतदान का व्यवहार
  - जाति
  - धर्म
  - लोकतंत्र
  - राजनैतिक दल
  - हाशिए पर और नि:शक्त लोगों के समूह
  - विभिन्न विकासों, जैसे— भूमंडलीकरण और औद्योगीकरण के कई पक्षों की पहचान करता है।

- प्रिंट और प्रिंटिंग तकनीकों के विविधीकरण पर विभिन्न दृष्टिकोणों का अध्ययन और चर्चा करें।
- विद्यार्थियों या उनके परिवार के अनुभवों, जैसे कि मध्याह्न भोजन योजना; किसानों के लिए ऋण माफ़ी योजनाओं के आधार पर सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की गंभीरता से जाँच करें; छात्रों को नकद हस्तांतरण के माध्यम से छात्रवृत्ति; प्रदान करना; निम्न आय वाले परिवारों को तरल पेट्रोलियम गैस प्रदान करना, निम्न आय वाले परिवारों के लिए जीवन बीमा योजना/गृह निर्माण, एमयू आदि के लिए वित्तीय सहायता की योजना। इन्हें साक्ष्य के रूप में डेटा/समाचार कतरनों के साथ मार्गदर्शन दिया जा सकता है।
- ओवरले मानचित्र संसाधनों का वितरण दिखाते हैं, उदाहरण— भारत के नक्शे पर खनिज, उद्योग और इसे भारत की भौतिक विशेषताओं और स्कूल भुवन एनसीईआरटी पोर्टल पर परतों को ओवरलैप करके और नक्शे को विश्लेषण से संबंधित करें।
- एटलस का उपयोग करके विभिन्न विषयगत मानचित्रों के बीच विस्तृत संबंध।
- स्थानों, लोगों, क्षेत्रों का पता लगाएँ (विभिन्न संधियों जैसे कि वर्साय की संधि, आर्थिक गतिविधियों आदि से प्रभावित)।
- विभिन्न क्षेत्रों के बीच आपसी संबंध बनाना और विभिन्न क्षेत्रों और इस दिन और दिन के दौरान उपयोग किए जाने वाले स्थानों के नामकरण में अंतर को खोजना, अर्थात विद्यार्थी को भारत से एशिया के मानचित्र पर मध्य एशिया, पश्चिम एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया से कपड़ा व्यापार के समुद्र और ज़मीन के लिंक को खोजने और बनाने के लिए कहा जा सकता है।
- देश के महत्व को पहचानने के लिए विश्व और भारत के राजनीतिक मानचित्रों का तथा विश्व राजनीति में इसकी भूमिका का अध्ययन करें।
    - प्रगति और आधुनिकता की धारणा की आलोचना करता है।
- जिज्ञासुता/पूछताछ के कौशल को प्रदर्शित करता है अर्थात् इससे संबंधित प्रश्नों को प्रस्तुत करता है, उदाहरण के लिए—
    - कुछ क्षेत्रों में उद्योगों की सघनता।
    - पानी की कमी
    - विभिन्न देशों के राष्ट्रवादी संघर्षों में महिलाओं की भूमिका।
    - वित्तीय साक्षरता के विभिन्न पहलुओं से संबंधित मुद्दे।
    - स्थानीय से राष्ट्रीय स्तर तक लोकतंत्र का काम करना।
- एकत्रित/दी गई जानकारी के आधार पर विचारों/तर्कों/विचारों का निर्माण करता है, उदाहरण के लिए—
    - किसी भी क्षेत्र की सांस्कृतिक विविधता
    - ऐतिहासिक घटनाएँ और व्यक्तित्व
    - आर्थिक मुद्दे, जैसे— आर्थिक विकास और वैश्वीकरण
    - गंभीर रूप से जाँच करें (क) विभिन्न आर्थिक अवधारणाओं के लिए पाठ्यपुस्तकों में आमतौर पर उपलब्ध परिभाषाएँ; (ख) संगठित/असंगठित क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद, गरीबी, धन की आपूर्ति और आकार का अनुमान लगाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पद्धति।

- राज्यों के राजनीतिक मानचित्रों की जाँच करें, उनके आकार और स्थान पर विचार करें और राष्ट्रीय राजनीति में उसके महत्व पर चर्चा करें।
- उन स्थानों का पता लगाएँ, जिनमें महत्वपूर्ण बहुराष्ट्रीय निगमों ने भारत के नक्शे पर अपने कार्यालय और कारखाने स्थापित किए हैं और लोगों की आजीविका पर स्थान के चयन के कारणों और उसके निहितार्थ पर चर्चा करें।
- कार्टून, स्केच में व्यक्त किए गए संदेश पढ़ें, राजनीतिक घटनाओं से संबंधित तसवीरें देखें और चर्चाओं में भाग लें।
- जनसांख्यिकीय डेटा, राजनीतिक दल की प्राथमिकताओं और सामाजिक विविधता से संबंधित डेटा पढ़ें।
- विकासात्मक मुद्दों, वैश्वीकरण और सतत विकास से संबंधित लोकप्रिय पत्रिकाओं और पत्रिकाओं से समाचार कतरनों/ ग्रंथों को इकट्ठा करें और विवरणों को तैयार करें और कक्षा में प्रस्तुत करें।
- प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्रों में जीडीपी और रोज़गार से संबंधित तालिकाओं को पाई, बार और लाइन आरेखों में परिवर्तित करें।
- कुछ मापदंडों का उपयोग करके चार्ट की व्याख्या करें और पैटर्न एवं अंतर का वर्णन करें। वे नवीनतम वर्ष और समाचार पत्रों के लिए पुस्तकों, भारत के आर्थिक सर्वेक्षण का उल्लेख कर सकते हैं।
- भारत के मानचित्र पर कच्चे माल के उत्पादन का पता लगाएँ और उस क्षेत्र अर्थात् कोयला, लौह अयस्क, कपास, गन्ना आदि की आर्थिक गतिविधियों और विकास से संबंध ज्ञात करें।
- स्वतंत्रता के बाद से भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विकास के बारे में जानकारी एकत्र करें। उदाहरणों के माध्यम से विभिन्न विषयों के बीच की कड़ी को बाहर करें और कुछ विषयों पर समूह-परियोजनाएँ करें, जैसे— 'वैश्वीकरण' पर समूह परियोजना। शिक्षक सवाल उठा सकते हैं, जैसे— क्या यह एक नयी घटना है या इसका लंबा इतिहास है? यह प्रक्रिया कब शुरू हुई और क्यों? प्राथमिक, माध्यमिक और

तृतीयक गतिविधियों पर वैश्वीकरण के प्रभाव क्या हैं? क्या इससे दुनिया में असमानता पैदा होती है? वैश्विक संस्थानों का महत्व क्या है? क्या ये संस्थान भूमंडलीकरण में प्रमुख भूमिका निभाते हैं? वे इन संस्थानों की भूमिका पर विकसित देशों को कैसे प्रभावित करते हैं? वैश्विक अर्थव्यवस्था से आपका क्या अभिप्राय है? क्या आर्थिक वैश्वीकरण एक नई घटना है? क्या पर्यावरणीय समस्याएँ वैश्विक समस्याएँ या स्थानीय समस्याएँ हैं? वैश्वीकरण संभावित रूप से बेहतर पर्यावरण में कैसे योगदान दे सकता है?

- लोकतंत्रों में और तानाशाही में आर्थिक विकास की दर और विशेषताओं का अध्ययन करें।
- 1950 के दशक के बाद से जीडीपी और अन्य आर्थिक पहलुओं पर समय शृंखला डेटा की जाँच करें;
- तर्क करें— (क) भारत की स्वतंत्रता का संघर्ष भारत की अर्थव्यवस्था से कैसे संबंधित था? (ख) 1947 के बाद भारत विनिर्माण गतिविधियों के निजीकरण के लिए क्यों नहीं गया? (ग) विकसित राष्ट्र चमड़े और वस्त्र की वस्तुओं के लिए भारत जैसे देशों पर अधिक निर्भर क्यों हैं और पहले नहीं थे? (घ) विकसित देशों की बहुराष्ट्रीय निगमों ने विकासशील देशों में अपने उत्पादन और निर्माण इकाइयों की स्थापना क्यों की, अपने देशों में नहीं और अपने ही देशों में रोज़गार पर इसका प्रभाव।
- विनिर्माण क्षेत्र की बहुराष्ट्रीय कंपनियों (हरियाणा में गुरुग्राम) और सेवा क्षेत्र की बहुराष्ट्रीय कंपनियों (कर्नाटक के बेंगलुरु) में विशिष्ट स्थानों पर स्थित हैं— भौगोलिक कारकों की प्रासंगिकता पर चर्चा करें।
- भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के धर्म, भोजन की आदतों, पोशाक, रंग भेद, केश, भाषा, उच्चारण आदि के बारे में जानकारी एकत्र करना।
- विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के ख़िलाफ़ पक्षपात/पूर्वाग्रहों, रूढ़ियों को सूचीबद्ध करें और कक्षा में इन पर चर्चा करें।
- आधुनिकता यानी वैश्वीकरण, औद्योगिकीकरण के प्रतीक के रूप में देखे जाने वाले घटनाक्रमों पर प्रश्न उठाएँ और इन विकासों के इतिहास के कई पक्षों को देखें अर्थात्

विद्यार्थी से पूछा जा सकता है। दो उदाहरण दें, जहाँ आधुनिक विकास जो प्रगति से जुड़ा है, उसने समस्याओं को जन्म दिया है। पर्यावरणीय मुद्दों, परमाणु हथियारों या बीमारी से संबंधित क्षेत्रों के बारे में सोचें।

- सत्य, पूर्वाग्रह और पूर्वाग्रहों की जाँच करने के लिए समाचारपत्रों और टेलीविज़न कथाओं में नेताओं या राजनीतिक दलों के कथन को पढ़ें। इसी तरह, समय-समय पर राजनीतिक दलों की विभिन्न मांगों का भी विश्लेषण किया जा सकता है।
- इस बात पर विचार करें कि क्यों लोकप्रिय पूर्वाग्रहों/रूढ़ियों को कम आय वाले परिवारों, निरक्षरों और कम साक्षरता स्तर वाले व्यक्ति, दिव्यांग, कुछ सामाजिक, धार्मिक और जैविक श्रेणियों से संबंधित व्यक्ति के बारे में जाना जाता है। शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी उत्पत्ति और समीक्षा पर चर्चा करने की सुविधा प्रदान करें।
- (क) सतत विकास प्रथाओं को बढ़ावा देना, (ख) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम–1986 जैसे कुछ राष्ट्रीय स्तर के अधिनियमों का अधिनियमन, सूचना का अधिकार अधिनियम–2005, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम–2005 और बच्चों के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 के पीछे संभावित मान्यताओं पर चर्चा करें। छात्रों को उन वर्षों में स्थिति का विवरण प्राप्त करने की आवश्यकता हो सकती है जब ये कानून बुज़ुर्ग व्यक्तियों, माता-पिता और शिक्षकों से लागू किए गए थे।
- मानचित्र पर औद्योगिक क्षेत्र दिखाएँ और इसे उस क्षेत्र के बुनियादी ढाँचे के विकास से संबंधित करें। आस-पास की नदियों, रेलवे, राजमार्ग, कच्चे माल के उत्पादन क्षेत्र, बाज़ार आदि उद्योग क्यों स्थित हैं?
- कश्मीर के बर्फ़ से ढके क्षेत्रों, गुजरात के शुष्क क्षेत्रों और पश्चिम बंगाल के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों जैसे दृश्यों में पानी की कमी दिखाएँ, विद्यार्थियों को विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में स्थित प्रत्येक क्षेत्र के पानी की कमी के कारणों की जाँच करने और रिपोर्ट या चार्ट तैयार करने के लिए कहा जा सकता है।

- प्रश्नों के उत्तर, जैसे— 'सविनय अवज्ञा आंदोलन में भारतीयों के विभिन्न वर्गों और समूहों ने क्यों भाग लिया?' या 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने बंगाल के विभाजन का जवाब कैसे दिया और क्यों दिया?' और उन मुद्दों, घटनाओं, व्यक्तित्वों पर पूरक साहित्य की तलाश करने की आवश्यकता है, जिनमें वे अधिक जानने के लिए रुचि व्यक्त कर सकते हैं। लोकतंत्र के फ़ायदे और कमियों पर शिक्षक-निर्देशित बहस में भाग लें।
- विकासात्मक मुद्दों से संबंधित अर्थशास्त्र से एक उदाहरण चुनें और आर्थिक जानकारी एकत्र करें और समाधान के साथ आगे आएँ। (क) रोज़गार (क्या भारत में पर्याप्त रूप से रोजगार के अवसर पैदा हो रहे है?) (ख) जीडीपी (क्यों केवल सेवा क्षेत्र अन्य क्षेत्रों की तुलना में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने में सक्षम है?) वित्तीय मुद्दों (कम आय वाले परिवारों तक क्रेडिट पहुँच कैसे सुधारें?)
- मान्यताओं को चुनौती दें और अपने क्षेत्र, इलाके या राज्य में विशिष्ट सामाजिक, आर्थिक या राजनीतिक मुद्दे के लिए रचनात्मक समाधान के साथ बाहर आने के लिए प्रेरित करें।
- भारत के मानचित्रों की जाँच करें— (भौतिक और राजनीतिक), भारत की अक्षांशीय और अनुदैर्ध्य सीमा, राहत सुविधाओं और क्षेत्रों की सांस्कृतिक विविधता पर इन के प्रभाव के बारे में विचारों के साथ सामने आएँ।
- रचनात्मक रूप से डिज़ाइन की गई गतिविधियों और किसी भी घटना या उनकी पसंद के व्यक्तित्व पर भूमिका के माध्यम से इतिहास के विभिन्न विषयों को प्रदर्शित करें।
- ऐतिहासिक और समकालीन दोनों दृष्टिकोणों से विभिन्न घटनाओं की व्याख्या पर बहस में संलग्न हों। उन्हें डिजिटल तैयार करने में मदद करें, साथ ही ऑडियो-विज़ुअल सामग्रियों को प्रिंट करें, जिन्हें ब्रेल में परिवर्तित किया जा सकता है।

- समकालीन/आधुनिक समय में ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं के अंदर परिवर्तनों पर समूह चर्चा में भाग लें।
- बुज़ुर्गों, समाचारपत्रों/टी.वी. से जानकारी प्राप्त करें। नदियों या झीलों/कुओं/भू-जल आदि, जैसे— जलाशयों में प्रदूषण के बारे में रिपोर्ट और उनके पड़ोस में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ। उदाहरण के लिए पश्चिम बंगाल में भू-जल में आर्सेनिक का प्रभाव।
- उत्तर-पूर्व क्षेत्र के पहाड़ी क्षेत्रों में मिट्टी के कटाव में वनों की कटाई के प्रभाव पर चर्चा करें और बाढ़ और भूस्खलन के साथ इसका संबंध ज्ञात करें।
- भारत में स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले दो व्यक्तियों के बीच बातचीत की कल्पना करें। विद्यार्थी ऐसे सवालों का जवाब देते हैं, जैसे कि किस तरह की छवियाँ, कथाएँ, लोकगीत और गीत, लोकप्रिय प्रिंट और प्रतीक। वे इस बात पर प्रकाश डालना चाहेंगे कि लोग किस तरह राष्ट्र की पहचान कर सकते हैं और इन सभी का क्या मतलब है।
- निर्यात और आयात, वर्तमान रोज़गार की स्थिति, स्कूलों और अस्पतालों के रुझानों को देखने के लिए शिक्षक/माता-पिता/साथियों की मदद से जानकारी इकट्ठा करें।
- अपने स्वयं के क्षेत्र में कृषि से संबंधित समस्याओं को एकत्रित करें और उपचारात्मक उपाय पेश करें।
- एक ब्रिटिश उद्योगपति और एक भारतीय उद्योगपति के बीच बातचीत की कल्पना करें, जिसे नए उद्योग स्थापित करने के लिए राजी किया जा रहा है। ऐसी भूमिका में विद्यार्थी ऐसे सवालों का जवाब देते हैं, जैसे— (क) भारतीय उद्योगपति को मनाने के लिए ब्रिटिश उद्योगपति क्या कारण बताएँगे और (ख) भारतीय उद्योगपति को किन अवसरों और लाभों की तलाश है?
- छात्रों द्वारा स्कूल में अतिरिक्त पाठ्येतर गतिविधियों, दैनिक कार्यों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, समस्या सुलझाने के कौशल बढ़ाने के निर्णय लेने और मदद करने के लिए आयोजन करें।

- कार्यक्रमों और घटनाओं का पहले से अनुमान लगाता है, उदाहरण के लिए—
  - जल, वायु, भूमि और मानव स्वास्थ्य पर शोर के प्रदूषण के प्रभाव की भविष्यवाणी करता है।
  - वनों की कटाई के कारण प्राकृतिक आपदाओं का अनुमान लगाता है।
  - कलाकारों और लेखकों द्वारा कला, साहित्य, गीत और कहानियों के माध्यम से राष्ट्रवादी संवेदनाओं का पोषण कैसे किया है, इन स्थितियों से निष्कर्ष और संभावित अतिरिक्त विस्तार।
  - यदि रचनात्मक तरीके से जवाब दिया जाए तो (क) भारत पेट्रोलियम कच्चे तेल का आयात बंद कर देता है (ख) बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ बंद हैं (ग) 2050 में भारत में रोज़गार की प्रकृति (घ) यदि भारत के सभी स्कूलों और अस्पतालों का निजीकरण हो जाता है तो क्या होगा?
- निर्णय लेने/समस्या सुलझाने के कौशल दर्शाता है, उदाहरण के लिए—
  - अपने क्षेत्र में निम्नलिखित मुद्दों के समाधान के साथ आता है।
  - कृषि और परिवहन से संबंधित समस्याएँ
  - रोज़गार के अवसर प्रदान करना
  - कम आय वाले परिवारों के लिए ऋण तक पहुँच में सुधार
  - यह आकलन करता है कि औपनिवेशिक भारत में कुछ विकास उपनिवेशवादियों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों, जैसे— साहित्य, परिवहन और उद्योगों में राष्ट्रवादियों दोनों के लिए उपयोगी थे।

- जीवन में उनके लक्ष्यों का वर्णन करें और वे कैसे प्राप्त करने जा रहे हैं।
- क्रेडिट और उनके प्रभाव के स्रोतों की समीक्षा करें। उन्हें कम ब्याज दरों के साथ क्रेडिट तक आसान पहुँच के लिए विभिन्न समाधानों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।
- रोजगार पैदा करने के नए तरीके/नई नौकरियाँ पैदा करना।
- सतत विकास प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए अपने दैनिक जीवन में पालन किए जाने वाले चरणों का सुझाव देते हुए समूह परियोजनाएँ प्रस्तुत करें।
- सहकर्मी/नि:शक्त व्यक्तियों द्वारा किए गए कार्यों और एक-दूसरे के साथ सहयोग करने की आवश्यकता पर चर्चा करें।
- पाठ्यपुस्तकों, समाचार पत्रों आदि के माध्यम से नदी के पानी/बाँध/भूमि-उद्योग/वनभूमि और वनवासियों आदि जैसे कई मुद्दों पर संघर्ष के उदाहरण प्रदान करते हैं। उन्हें इन मुद्दों पर समूहों में बहस करने और रचनात्मक समाधान के साथ आने के लिए निर्देशित किया जा सकता है।
- एक समय अवधि के व्यक्तियों और समुदायों के लोगों के अनुभवों की कहानियों को पढ़ें अर्थात विद्यार्थी उसकी कल्पना कैरेबियन में काम करने वाले एक भारतीय मज़दूर के रूप में कर सकते हैं। पुस्तकालय से या इंटरनेट के माध्यम से एकत्र किए गए विवरण के आधार पर, विद्यार्थी को उसके जीवन और भावनाओं का वर्णन करने वाले परिवार को एक पत्र लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।
- तसवीरों और चित्रों के साथ पोस्टर तैयार करें और स्वराज के लिए अहिंसक संघर्ष के महत्व पर मौखिक और लिखित प्रस्तुति करें।
- उनके रहने की जगह और स्कूल इलाके के आस-पास के जीवन पर चर्चा करें। पाठ्यपुस्तक में प्रासंगिक पाठों के अलावा उपलब्ध स्थानीय उदाहरणों का चयन करें, ताकि विषय-वस्तु की संवेदनशीलता और शांतिपूर्ण समाधान सिखाया जा सके।

- संवेदनशीलता और प्रशंसा कौशल दर्शाता है, उदाहरण के लिए—
  - समाज के विभिन्न दिव्यांग और अन्य सीमांत वर्गों, जैसे— वनवासी, शरणार्थी, असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के साथ सहानुभूति रखता है।
  - राजनीतिक विविधता की सराहना करता है।
  - सांस्कृतिक विविधता की सराहना करता है।
  - धार्मिक विविधता की सराहना करता है।
  - सामाजिक विविधता को पहचानता है।
  - विस्थापन, अतिवाद और प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाएँ, जैसे— विभिन्न देशों में भारतीय गिरमिटिया मज़दूर कैरेबियन और फिजी के साथ सहानुभूति रखता है।

• (क) कम आय वाले परिवारों, दिव्यांग/बुज़ुर्ग व्यक्तियों, प्रदूषण से पीड़ित लोगों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर भूमिका निभाएँ (ख) विभिन्न तरीके जिनके माध्यम से उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों से वंचित किया जाता है और उपभोक्ताओं को उनकी शिकायतों का समाधान करने के लिए चुनौती दी जाती है। • विभिन्न भारतीय राज्यों में स्कूली शिक्षा सहित लोगों के दैनिक जीवन पर युद्धों और संघर्षों के प्रभाव पर चर्चा करें। • उन देशों का विवरण एकत्र करें, जिनमें हाल ही में युद्ध और संघर्ष हुए, लेकिन वे आर्थिक रूप से सक्षम थे और इस पर चर्चा आयोजित करें।	

एक समावेशी व्यवस्था में सुझाई गई शैक्षणिक प्रक्रियाएँ

कक्षा में पाठ्यक्रम सभी के लिए समान होता है। इसका अर्थ है कि सभी छात्र कक्षा में सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं। कुछ ऐसे छात्र हो सकते हैं, जिन्हें भाषा, दृश्य-स्थानिक या मिश्रित प्रसंस्करण समस्याओं सहित सीखने में कठिनाई हो सकती है। उन्हें पाठ्यक्रम में अतिरिक्त शिक्षण सहायता और कुछ अनुकूलन की आवश्यकता हो सकती है। विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की विशिष्ट आवश्यकताओं पर विचार करने के साथ, शिक्षकों के लिए कुछ शैक्षणिक प्रक्रियाएँ नीचे दी गई हैं—

- मानचित्र, जैसे— चित्रमय प्रतिनिधित्व और चित्रों के विस्तृत मौखिक विवरण का उपयोग करें। इन्हें उचित कंट्रास्ट के साथ स्पर्श योग्य बनाया जा सकता है।
- मॉडल, ब्लॉक चित्रों का उपयोग करें।
- विभिन्न तथ्यों/अवधारणाओं को समझाने के लिए रोज़मर्रा के जीवन से उदाहरणों का उपयोग करें।
- अमूर्त अवधारणाओं को समझने के लिए ऑडियो-विज़ुअल सामग्री, जैसे— फ़िल्मों और वीडियो का उपयोग करें; उदाहरण के लिए— भेदभाव, रूढ़िवादिता आदि।
- याद रखने के लिए उभरी हुई समय रेखा विकसित करें; उदाहरण के लिए, विभिन्न ऐतिहासिक काल।
- समूह कार्य में वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, मानचित्र पढ़ने की गतिविधियों आदि का आयोजन करें।
- छात्रों के लिए ऐतिहासिक स्थानों के लिए भ्रमण, सैर और यात्राएँ (शैक्षिक दौरे) आयोजित करें।
- गंध और स्पर्श जैसी अन्य इंद्रियों का उपयोग करके पर्यावरण की खोज में छात्रों को सम्मिलित करें।
- प्रत्येक पाठ की शुरुआत में एक संक्षिप्त अवलोकन दें।

- पाठ से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी की फ़ोटोकॉपी प्रदान करें।
- मुख्य बिंदुओं और शब्दों को हाइलाइट/रेखांकित करें।
- दृश्य/ग्राफ़िक ऑर्गनाइज़र, जैसे— समय रेखाएँ (विशेष रूप से घटनाओं की कालानुक्रमिक स्थिति), प्रवाह चार्ट, पोस्टर आदि का उपयोग करें।
- कट और पेस्ट जैसी गतिविधियों से संबंधित समूह कार्य का आयोजन करें और तथ्यों/संकल्पनाओं को चित्रित करने हेतु सचित्र डिस्प्ले, मॉडल, चित्र, पोस्टर, फ़्लैश कार्ड या किसी भी प्रकार की विज़ुअल वस्तुओं का उपयोग करें।
- वास्तविक जीवन के अनुभवों के साथ अवसरों की योजना बनाएँ।
- फ़िल्मों/प्रलेखन और वीडियो का उपयोग करें।
- पाठ्य सामग्री को समझने के लिए पत्रिकाओं, स्क्रैपबुक और समाचार पत्रों आदि का उपयोग करें।
- पहले जो सिखाया गया है, उसके साथ संबंध बनाएँ।
- मल्टीसेन्सरी इनपुट्स का उपयोग करें।
- पाठ्यपुस्तक में चित्रों के साथ दिए गए सभी उदाहरणों को बताया जा सकता है (यदि आवश्यक हो तो फ़्लैश कार्ड का उपयोग करना)।
- अध्यायों को पढ़ाने के दौरान, बहुत सारे ग्राफ़िक ऑर्गनाइज़र, समय और तालिकाओं का उपयोग करें, क्योंकि इससे कार्य सरल हो जाएगा।
- मानचित्र को बड़ा और रंग से चिह्नित किया जाना चाहिए।
- चित्रों के साथ पाठ को बड़ा किया जा सकता है। चित्र कार्ड बनाया जा सकता है और इसे कहानी के रूप में क्रमिक रूप से प्रस्तुत किया जा सकता है। अनुक्रमण से जानकारी से संबंध बनाना आसान हो जाता है।
- यह जाँचने के लिए समय-समय पर संगत-प्रश्नों को पूछें कि बच्चे ने कितना सीखा है, क्योंकि इससे जानकारी को आत्मसात् करने में मदद मिलती है।
- विभिन्न तरीकों, उदाहरण के लिए— नाटकीय रूप के माध्यम से, इलाके के भ्रमण, वास्तविक जीवन का उदाहरण, परियोजना कार्य आदि से सिखाएँ और मूल्यांकन करें।
- सभी महत्वपूर्ण वाक्यांशों और सूचनाओं को हाइलाइट करें।
- तसवीरों के लेबल और कैप्शन लिखें।